अध्याय 11. हँसते हुए मेरा अकेलापन

: लेखक परिचय :-

⇒ लेखक- मलयज

⇒ जन्म- 1935

⇒ जन्म-स्थान- महुई, आजमगढ़, उत्तरप्रदेश

→ निधन 26 अप्रैल 1982

→ मूलनाम- भरतजी श्रीवास्तव

→ माता - प्रभावती

→ पिता- त्रिलोकी नाथ वर्मा

→ शिक्षा- M.A. (अंग्रेजी) इलाहाबाद विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश (UP) से किये |

> विशेष:

(i) वे छात्र जीवन में क्षयरोग से ग्रसित थे।
(ii) उन्हें ऑपरेशन के समय एक फेफड़ा कटवाना पड़ा था।
(iii) शेष जीवन दुर्बल स्वास्थ्य और बार-बार अस्वस्थता के कारण दवाओं के सहारे जीते रहे।

> स्वभाव:-
(i) अंतर्मुखी
(ii) प्रायः अवसादग्रस्त किंतु कठिन जिजीविषाधर्मी
(iii) गंभीर
(iv) एकांतप्रिय
(v) मितभाषी

→ विशिष्ट संपर्क- शमशेर बहादूर सिंह, विजयदेव नारायण साही, परिमल संस्था इलाहाबाद।

> वृत्ति / पेशा:-
(i) कुछ दिनों तक K.P. कॉलेज इलाहाबाद में प्रधानाध्यापक रहे।
(ii) 1964 में कृषि मंत्रालय में कार्य किये |
(iii) भारत सरकार की अंग्रेजी पत्रिकाओं के संपादकीय विभाग में नौकरी कियो।

> विशेष अभिरुचि
(i) ड्राइंग और स्केचिंग।
(ii) संगीत
(iii) कला प्रदर्शनी
(iv) सिनेमा में गहरी रुचि

→ संपादन-
(i) लहर कविता का विशेषांक (1960)
(ii) 'शमशेर' पुस्तक का सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के साथ सह- संपादन

⇒ कृतियाँ-

> कविता
(i) जख्म पर धूल-(1971)
(ii) अपने होने को अप्रकाशित करता हुआ 1980
> आलोचना
(i) कविता से साक्षात्कार - 1979
(ii) संवाद और एकालाप - 1984
(iii) रामचंद्र शुक्ल 1987
> सर्जनात्मक गद्य
(i) हँसते हुए मेरा अकेलापन-1982
> डायरी
(i) 3 खंड
> संपादक
(i) डॉ० नामवर सिंह

महत्वपूर्ण जानकारी
1. सन् 1960 के आसपास 'नई कविता' आंदोलन के अंतिम दौर में मलयज का उदय एक कवि के रूप में हुआ था।

2. वे आठवें दशक में हिन्दी आलोचना को नई भाषा नई तकनीक, नई पद्धतियाँ प्रदान कियें।

3. मलयज की डायरी, कविता-सी प्रतीत होती है जिसमें उनके अन्तर की गहरी छाप है।
4. उनको एक साहित्यकार के आत्म-निर्माण का प्रमाणिक दस्तावेज माना जाता है।
5. मलयज आधुनिक काल के कवि है।
6. एक खेत में पेड़ पर कौओं की कतार देखी थी।

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

7 लेखक के अनुसार सुरक्षा सूरज की रोशनी में है।
8. मलयज ने डायरी 32 वर्ष तक लिखी थी।
9. डायरी लेखन में मलयज ने ठहरता हुआ जंगल के बारे में बताया है।
10. लेखक के अनुसार चुनौतियों को झेलने में ही सुरक्षा है।
11. रचने और भोगने का रिश्ता द्वंद्वात्मक होता है।
12. सत्य कथन- रचा हुआ यथार्थ भोगे हुए यथार्थ से अलग होता है।
13. मलयज का कथन है- "हर आदमी उस संसार को रचता है जिसमें वह जीता है और भोगता है।"
14. मलयज का कथन है- "यथार्थ के इस लेन-देन का नाम ही संसार है।"
15. मलयज का कथन है- "दस्तावेज रचना का कच्चा माल है।"
16. मलयज का कथन है- "आदमी यथार्थ को जीता ही नहीं, यथार्थ को रचता भी है।"

पाठ का सारांश [2021, 2024]

'हँसते हुए मेरा अकेलापन' मलयज द्वारा रचित डायरी है, जिसमें उनके जीवन के विचार, संघर्ष और गहरे अकेलेपन का वर्णन है। उनके लिए डायरी लिखना सिर्फ लिखना नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। जहाँ वे बिना डरे अपने मन की सच्ची बातों को आसानी से लिख सकते हैं। डायरी उनके लिए एक सुरक्षा कवच की तरह है, जहां वे अपने मन की बातों को सुरक्षित रख पाते हैं, जिससे उन्हें अकेलेपन में भी शांति और ऊर्जा मिलती है। वे कहते हैं डायरी लिखने से इंसान ईमानदार और आत्म-विश्लेषी बन जाता है। इसलिए जीवन की सुरक्षा समस्याओं से डरकर भागने में नहीं, बल्कि संघर्ष करने और डायरी लिखने में है।
अतः डायरी लेखक के कर्म और संघर्ष की साक्षी है। वे अंत में कहते हैं कि, "मनुष्य यथार्थ को रचता ही नहीं, बल्कि उसे भोगता भी है।"

लघु उत्तरीय प्रश्न

*1. डायरी क्या है? [2015, 2016, 2017, 2023]
अथवा, डायरी क्या है? डायरी क्यों लिखनी चाहिए?
VVI

उत्तर- डायरी अपने जीवन के अनुभवों, घटनाओं और भावनाओं को रोज लिखने का माध्यम है। इसमें व्यक्ति अपने जीवन का सच्चा हाल लिखता है। डायरी लिखने से इंसान ईमानदार, विचारशील और आत्म-विश्लेषी बनता है।

**2. डायरी का लिखा जाना क्यों मुश्किल है? [2012, 2013, 2016, 2023]
उत्तर- डायरी लिखना इसलिए मुश्किल है, क्योंकि इसमें व्यक्ति को अपने बारे में सच-सच लिखना पड़ता है। अपनी गलतियाँ स्वीकार करना कठिन होता है, इसलिए लोग झूठ या छिपाव कर लेते हैं। अतः डायरी लिखना बहुत मुश्किल है।

3. 'धरती का क्षण' से क्या आशय है? [2020]
उत्तर- 'धरती का क्षण' का मतलब है- इस धरती पर घटने वाली सच्ची घटनाएँ और अनुभव। लेखक इन सच्चे घटने और अनुभवों को अपनी रचना में लिखकर उसे और सुंदर बनाते है।

4. डायरी के इन अंशों में मलयज की गहरी संवेदना घुली हुई है। इसे प्रमाणित करें। [2023]
उत्तर- मलयज बहुत भावुक और संवेदनशील लेखक हैं। उनकी डायरी में प्रकृति और जीवन के छोटे-छोटे दृश्यों में गहरी भावना दिखाई देती है। जैसे देवदार के पेड़, कौओं की कतार, सेब बेचती लड़की इन सभी में उनकी कोमल संवेदना झलकती है।

सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्न

1. आदमी यथार्थ को जीता ही नहीं, यथार्थ को रचता भी है।
उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति मलयज द्वारा रचित डायरी "हँसते हुए मेरा अकेलापन" से ली गई है। लेखक का कहना है कि आदमी सिर्फ यथार्थ को नहीं जीता है, बल्कि उसे बनाता भी है। हम जो अनुभव करते हैं, वही यथार्थ है, और हम अपने कर्म और प्रयास से उसे रचते भी हैं। यही जीवन की गति है।

2. इस संसार में संपृक्ति एक रचनात्मक कर्म है। इस कर्म के बिना मानवीयता अधूरी है।
उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति मलयज द्वारा रचित डायरी "हँसते हुए मेरा अकेलापन" से ली गई है। लेखक का कहना है कि इस संसार में जुड़ाव जरूरी है। हम केवल

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

अकेले नहीं रह सकते। दुनिया से जुड़े रहकर ही हम अपने कर्मों का अनुभव कर सकते हैं और उसे बदल भी सकते हैं। यही मानवीय जीवन का सही उद्देश्य है।

1. 'हँसते हुए मेरा अकेलापन' शीर्षक डायरी के प्रथम तीन खण्डों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर- 'हँसते हुए मेरा अकेलापन' मलयज के द्वारा रचित डायरी है, जिसमें उनके जीवन के सच्चें अनुभवों और विचारों का वर्णन है। पहली डायरी में उन्होंने रंगों के सिद्धांत से बताया कि गहरे रंग "रचना" को स्थायी बनाते हैं, दूसरी डायरी में उन्होंने समाज और धरती के बदलते रूप पर चिंता जताई है, तीसरी डायरी में पत्र न मिलने पर हुई बेचैनी को लिखे हैं।
और आगे की डायरियों में उन्होंने प्रकृति और आम लोगों का बहुत सुंदर चित्रण कियें हैं। कवि कहते है मनुष्य यथार्थ को रचता ही नहीं, बल्कि उसे भोगता भी है। और उन्होंने ये भी कहा है कि, जीवन की सुरक्षा समस्याओं से डरकर भागने में नहीं, बल्कि संघर्ष करने में है।

2. चित्रकारी की किताब में लेखक ने कौन-सा रंग सिद्धान्त पढ़ा था?

उत्तर- लेखक चित्रकला की किताब में पढ़ा है कि चमकीले और तेज रंग जल्दी ध्यान खींचते हैं, लेकिन उनकी चमक जल्दी फीकी पड़ जाती है। जबकि गहरे और सादे रंग रचना को स्थायी बनाते हैं। इससे पता चलता है कि व्यक्ति का अंतर गुण ही उसकी सच्ची और टिकाऊ पूँजी है।

3. रचना और दस्तावेज में क्या फर्क है? लेखक दस्तावेज को रचना के लिए कैसे जरूरी बताता है?

उत्तर- दस्तावेज सिर्फ घटनाओं का साधारण विवरण होता है, जबकि रचना उन घटनाओं की सुंदर और भावनात्मक अभिव्यक्ति होती है। दस्तावेज रचना की नींव होती है बिना दस्तावेज के रचना पूरी नहीं होती, इसलिए लेखक उसे जरूरी मानते हैं।

4. लेखक अपने किस डर की बात कहता है? इस डर की खासियत क्या है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- लेखक ने 25 जुलाई 1981 को डायरी में डर की चिंता जतायी है। लेखक को बीमारी, आर्थिक कठिनाई और परिवार की चिंता का डर सताता है। जब कोई बीमार होता है या घर का सदस्य देर से लौटता है, तो वें घबरा जाते हैं। ये डर उसकी असुरक्षा और कमजोर आर्थिक स्थिति को दिखाता हैं।

वस्तुनिष्ट प्रश्नः -

1. कथाकार मलयज का जन्म कब हुआ था ?
(A) 1935 (B) 1940 (C) 1936 (D) 1938

2. 'हँसते हुए मेरा अकेलापन' किस विधा की रचना है?(BSEB, 2018)
(A) ललित निबन्ध (B) डायरी
(C) लघु कथा (D) नाटक

3. मलयज किस रोग से ग्रसित थे ?
(A) कैंसर (B) अल्सर (C) क्षयरोग (D) लकवा

4. डायरी में से मलयज का काव्य संग्रह कौन-सा है ?
(A) जख्म पर धूल (B) तापेश्वर
(C) ढपोलपंथी (D) व्यवहार बोध

5. एक खेत में पेड़ पर किसकी कतार देखी थी ?
(A)बन्दरों की (B)कौओं की (C)कबूतरों की(D) बगुलों की

6. बनाम बलभद्र ठाकुर की एक किताब मलयज ने कहाँ देखी थी ?
(A) शमशेर जी (B) धूमिल
(C) गिरिजाकुमार माथुर (D) नामवर सिंह

7. लेखक के अनुसार सुरक्षा कहाँ है?
(A) घर में (B) सड़क पर
(C) सूरज की रोशनी में (D) कहीं नहीं

8. मलयज ने डायरी कितने वर्ष तक लिखी थी ?
(A) 33 वर्ष (B) 32 वर्ष (C) 34 वर्ष (D) 27 वर्ष

9. डायरी लेखन में मलयज ने क्या बताया है?
(A) एक जीवन संघर्ष (B) वायवी चिन्तन
(C) ठहरता हुआ जंगल (D) नित्य कई

10. 'हँसते हुए मेरा अकेलापन' के लेखक कौन हैं?
(A) मलयज (B) भगत सिंह
(C) ओमप्रकाश वाल्मीकि (D) मोहन राकेश

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

11. 'डायरी' विधा से सम्बन्धित रचना है-
(A) ओ सदानीरा (B) उसने कहा था
(C)हँसते हुए मेरा अकेलापन (D)एक लेख और एक पत्र

12. मलयज की रचना नहीं है-2019
(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) सदियों का सन्ताप
(C) बकलम खुद (D) न आने वाला कल

13. मलयज का मूल नाम है-
(A) भरत जी श्रीवास्तव (B) अमर जी श्रीवास्तव
(C) मदन मोहन गुलानी (D) इनमें से कोई नहीं

14. निम्नलिखित में कौन रचना मलयज की है ? (BSEB, 2024)
(A) छायावाद (B) वट पीपल
(C) हुंकार (D) संवाद और एकालाप

15. सुरक्षा कहाँ हो सकती है ?
(A) घर के भीतर (B) अँधेरे में
(C) पलायन में (D) चुनौती को झेलने में

16. रचने और भोगने का रिश्ता कैसा होता है ?
(A) द्वंद्वात्मक (B) सहयोगात्मक
(C) नकारात्मक (D) निषेधात्मक

17. कौन-सा कथन सही है ?
(A) रचा हुआ यथार्थ भोगे हुए यथार्थ से अलग है।
(B) सुरक्षा अगर कहीं हो सकती है तो बाहर सूरज की रोशनी में नहीं।
(C) दस्तावेज रचना का कच्चा माल नहीं हो सकता।
(D) आदमी होने की शर्त यह रचा जाता, भोगा जाता संसार नहीं है।

18. "हर आदमी उस संसार को रचता है जिसमें वह जीता है और भोगता है।" यह कथन किसका है?
(A) जयशंकर प्रसाद का (B) अज्ञेय का
(C) मलयज का (D) प्रेमचंद का

19. 'जख्म पर धूल' शीर्षक कविता किसकी रचना है?(BSEB, 2022)
(A) नामवर सिंह (B) मलयज
(C) भगत सिंह (D) उदय प्रकाश

20. 'हँसते हुए मेरा अकेलापन' के लेखक हैं- [2018A]
(A)मोहन राकेश (B)मलयज (C)उदयप्रकाश (D) अज्ञेय

21. 'यथार्थ के इस लेन-देन का नाम ही संसार है।' यह पंक्ति किसके द्वारा लिखी गयी है? [2021A,2024A)
(A) भगत सिंह (C) नामवर सिंह
(B) मलयज (D) चंद्रधर शर्मा गुलेरी

22. 'मलयज' की रचना निम्न में से कौन है? [2024A]
(A) हँसते हुए मेरा अकेलापन (B) तिरिछ
(C) शिक्षा (D) प्रगीत और समाज

23. 'दस्तावेज रचना का कच्चा माल है' यह कथन किस लेखक का है? [2025A
(A) मोहन राकेश (B) उदय प्रकाश
(C) मलयज (D) नामवर सिंह

24. 'हँसते हुए मेरा अकेलापन' किस विधा की रचना है? [2018A]
(A) निबंध (B) डायरी (C) लघु कथा (D) नाटक

25. 'जख्म पर धूल' शीर्षक कविता किसकी रचना है?
[2022A]
(A) नामवर सिंह (B) मलयज
(C) 'भगत सिंह (D) उदय प्रकाश

26. "आदमी यथार्थ को जीता ही नहीं, यथार्थ को रचता भी है।" यह कथन किस लेखक का है? [2023A]
(A) मलयज (C) भगत सिंह
(B) नामवर सिंह (D) जे० कृष्णमूर्ति

27. निम्नलिखित में कौन रचना मलयज की है? [2024A]
(A) छायावाद (B) वट पीपल

(C) हुंकार (D) संवाद और एकालाप

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.